सोमवार

32 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

02 दिसम्बर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 291
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक नजर

राजपुर रोड डिवाईडर का काम हुआ शुरु

संवाददाता

देहरादून। सडक सुरक्षा कार्य निरंतर गतिमान होने के चलते राजपुर रोड डिवाईडर का काम शुरू हो गया।

आज यहां उपजिलाधिकारी/नोडल अधिकारी कुमकुम जोशी द्वारा डीएम के निर्देश के क्रम में सडक सुधारीकरण कार्यो को धरातल पर उतारने हेतु निरंतर फील्ड विजिट की जा रही है। सडक सुधारीकरण, स्पीड ब्रेकर एवं जेबरा क्रासिंग का काम तेजी से गतिमान है। जिलाधिकारी स्वंय सडक सुरक्षा कार्यो की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। ओएनजीसी चौक का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा न्यू कैंण्ट रोड पर चिन्हित पांच स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बना दिये गये हैं। दिलाराम चौक पर जेब्रा क्रासिंग पेंट का कार्य चल रहा है। वर्षो बाद राजपुर रोड डिवाईडर का काम शुरू हो गया। जहां से देर रात हुडदंगियों के वाहन क्रास ओवर किया करते थे। जिलाधिकारी सविन बसंल ने सडक सुधारीकरण कार्यो को युद्धस्तर पर पूर्ण करने के निर्देश दिये।

मकान का ताला तोड जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। मकान का ताला तोडकर वहां से जेवरात व नगदी चोरी किये जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी सब स्टेशन यूपीसीएल कैण्ट निवासी विजय सिंह गुंसाई ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ दोपहर के तीन बजे एक समारोह में गया था। जब वह रात्रि नौ बजे वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से सोने का हार, चांदी का हार, हाथ के कडे व बच्चों की सोने की चेन पैंडल लगभग 20 हजार रूपये की नगदी चोरी करके ले गये हैं।

-शिवलिंग पर खून चढाने का मामला-

हिन्दू संगठन में उबाल, कोतवाली पहुंच कर की नारेबाजी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रूड़की कोतवाली क्षेत्र के जौरासी गांव में महादेव मंदिर के शिवलिंग पर दूसरे समुदाय के युवक के खून चढ़ाने का मामला तूल पकड़ रहा है। इस मामले में आज हिन्दू संगठन के लोग कोतवाली पहुचे और नारेबाजी करते हुए गिरफ्तार किये गये आरोपित पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बता दें कि बीते शनिवार की शाम समुदाय विशेष के युवक को जौरासी गांव के लोगो ने मंदिर से निकलते हुए पकड़ा था। मन्दिर के अन्दर शिवलिंग पर खून लगा हुआ मिला था। जिससे लोग आक्रोशित हो गये और मुस्लिम युवक पर खून चढ़ाने का आरोप लगाने लगे। पकड़े गये युवक के हाथ मे पुराने जख्म का खून रिस रहा था और यही खून शिवलिंग पर लगाने की आशंका जताई जा रही थी। हालांकि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन घटना की खबर सुनते ही हिन्दु संगठन आक्रोशित हो गये और उन्होने आज सिविल लाइन कोतवाली पहुंच कर नारेबाजी करते हुए आरोपित पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही बढ़ रहे गोकसी के मामलो को लेकर चिंता जताई। क्षेत्र में पुलिस चौकी खोलने की मांग भी की है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मुफ्त की रेवड़ियों में गिरवी वोट

किसी भी देश की सेहत का हाल कैसा है? इसका निर्धारण अर्थशास्त्रियों द्वारा उस देश की जीडीपी, डॉलर के मुकाबले उस देश की मुद्रा की वैल्यू, रोजगार और महंगाई की दर के आधार पर किया जाता है। अभी-अभी देश की जीडीपी की जो दर सामने आई है वह चार फीसदी के पास है। जो पिछले दो सालों में सबसे कम है। खास बात यह है कि बीते दो सालों से इसमें निरंतर गिरावट दर्ज की जा रही है। बात अगर रुपए के अंतरराष्ट्रीय बाजार में अवमूल्यन की करें तो बीते समय में डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर होता जा रहा है। हालत इतनी खराब हैं कि रुपया रिकॉर्ड गिरावट के साथ एक डॉलर के मुकाबले 84 रुपए हो गया है। देश में महंगाई और बेरोजगारी की स्थिति क्या है इसका सच भी किसी से छुपा नहीं है। देश में बीते दो सालों में महंगाई ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। देश की युवा शक्ति किस कदर बेरोजगारी की मार झेल रही है इसका सच इन दिनों किसी भी भर्ती के दौरान उमड़ने वाली बेरोजगारों की भीड़ से समझा जा सकता है। सवाल यह है कि जिस जीडीपी की दर 8 प्रतिशत से ऊपर होने की बात कही जा रही है वह अगर आधी रह जाती है तो यह स्पष्ट बात है कि देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हालत अत्यंत ही खराब है। देश का एसएमई सेक्टर बुरी तरह तबाह हो चुका है छोटे कारोबारी और व्यापारी बुरे दौर से गुजर रहे हैं। सबसे अहम बात यह है कि देश के नेता इस स्थिति पर कोई बात और चर्चा तक करने को तैयार नहीं है। देश की 70 फीसदी आबादी बदहाली की उसे कगार पर पहुंच चुकी है कि उसके लिए अब सरकार से मिलने वाली सहायता ही उसके जीवन का आधार बनती जा रही है। बात चाहे मुफ्त के राशन बांटे जाने की हो अथवा लाडली बहना जैसी तमाम उन योजनाओं की जिनके जरिए एक दो या तीन हजार रुपए नगद लाभार्थियों के खातों में डाले जा रहे हैं। अथवा किसान सम्मान निधि जैसी और उज्ज्वला गैस जैसी योजनाओं की जो समाज से आत्मनिर्भरता की भावना को छीन चुकी हैं और आम आदमी के वोट की कीमत की अहमियत हासिल करती जा रही है। आम आदमी के जीवन का सहारा बन चुकी इन मुक्त की रेवड़ियों से समाज का इस तरह आश्रित हो जाना कि लोग इनसे प्रभावित होकर वोट देना है यह तय करने लगे तो आप समझ सकते हैं कि देश और समाज की सेहत कितनी अधिक खराब हो चुकी है। 2014 में भाजपा ने सत्ता में आने के बाद रसोई गैस, डीजल व पेट्रोल के साथ अन्य तमाम वस्तुओं पर दी जाने वाली सब्सिडी को कम या समाप्त करने से जो काम शुरू किया गया था वह अब मुफ्त की रेवड़ियां बांटने और आम आदमी को उसे हद तक लाचार व विवश बनाने तक पहुंच चुका है कि उसकी जेब तो खाली हो ही चुकी है जो जमा पूंजी थी वह भी समाप्त होती जा रही है। खास बात यह है कि जनता का ध्यान भटकाने के लिए न जाने कैसे-कैसे मुद्दे तैयार किये जा रहे हैं। महंगाई-बेरोजगारी जैसी समस्याओं या फिर अत्यधिक बढ़ती जनसंख्या पर बात करने को कोई तैयार नहीं है।

भाजपा सरकार केवल धर्मिक ध्वस्तीकरण में व्यस्त हैः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि जनता परेशान है, लेकिन भाजपा केवल धार्मिक ध्वस्तीकरण में व्यस्त है।

आज यहां डाकरा की जनता का गुस्सा फूटा, जब प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना चार महीने से क्षतिग्रस्त पड़े पुल का निरीक्षण करने पहुंचे। क्षेत्रीय लोगों ने भाजपा सरकार और स्थानीय विधायक के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। सरकार अंधी, विधायक गूंगा, जनता मर रही है। स्थानीय बुजुर्ग रामचरण अग्रवाल ने कहा, हमने विधायक, जिलाधिकारी और यहां तक कि प्रधानमंत्री तक गुहार लगाई, लेकिन सबने आंखें मूंद लीं। यह सरकार केवल धर्म और ध्वस्तीकरण की राजनीति में उलझी है।

वहीं, नेपाली भाषा समिति के अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा ने रक्षाबंधन के दिन पुल के ध्वस्त होने की घटना का जिक्र करते हुए कहा, चार महीने हो गए, लेकिन सरकार ने एक कदम तक नहीं उठाया। क्या डाकरा की जनता को इसीलिए चुना गया था कि वह अपने ही क्षेत्र में कैद हो जाए।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि पुल न होने से न केवल व्यापार ठप हो गया है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा भी खतरे में है। स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को हर दिन दुर्घटना का डर सताता है। अगर कोई बड़ा हादसा हुआ, तो इसके जिम्मेदार मुख्यमंत्री और विधायक होंगे, स्थानीय निवासी ने कहा। मौके का निरीक्षण करने के बाद सूर्यकांत धस्माना ने कहा, यह शर्मनाक है कि जिस क्षेत्र में राज्यपाल, मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री रहते हैं, वहां का मुख्य पुल चार महीने से ध्वस्त है। सरकार पूरी तरह संवेदनहीन हो चुकी है। जनता परेशान है, लेकिन भाजपा केवल धार्मिक ध्वस्तीकरण में व्यस्त है। उन्होंने कहा, प्रदेश की सड़कों और पुलों की हालत देखकर साफ है कि यह सरकार अपने लोगों के लिए नहीं, सिर्फ

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सीएम ने जौनसारी फीचर फिल्म 'मैरै गांव की बाट' का प्रोमो और पोस्टर लांच किया

संवाददाता

देहरादून॥ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहली जौनसारी फीचर फिल्म 'मैरै गांव की बाट' का प्रोमो और पोस्टर लांच किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहली जौनसारी फीचर फिल्म 'मैरै गांव की बाट' का प्रोमो और पोस्टर लांच किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार क्षेत्रीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आंचलिक फिल्मों के निर्माण और प्रचार प्रसार में पूरा सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री आवास में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य गठन के बाद अब पहली जौनसारी फीचर फिल्म बनकर तैयार हो गई है। इस फिल्म के जरिए जौनसार की समृद्ध संस्कृति, विरासत, रीति रिवाजों को देखने जानने का मौका मिलेगा।

उन्होंने दर्शकों से फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा कि, राज्य सरकार की तरफ से क्षेत्रीय बोली भाषाओं में बनी फिल्मों के निर्माण और प्रचार प्रसार में हर संभव मदद दी जा रही है। इसी क्रम में सरकार नई फिल्म नीति लेकर आई है। सरकार का मत है कि हर क्षेत्र में उत्तराखंड के स्थानीय लोग आगे बढ़ सकें। उन्होंने अभिनेता अभिनव चौहान को बधाई देते हुए कहा कि उनकी गढ़वाली फिल्म असगार भी सुपरहिट रही थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हनोल मंदिर का मास्टर प्लान बना रही है, इसके बाद से यह क्षेत्र तीर्थयात्रियों और पयर्टकों के लिए बड़ा डेस्टिनेशन बनकर उभर रहा है। इस मौके पर कैबिनेट गणेश जोशी, पद्मश्री प्रेमचंद शर्मा, सचिव एचसी सेमवाल, कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी, अपर सचिव अतर सिंह, मुख्य अभिनेता अभिनव चौहान और अभिनेत्री प्रियंका, निर्माता आयुष गोयल, प्रस्तुत कर्ता केएस चौहान, रतन सिंह रावत, जयपाल सिंह, अनिल दत्त, श्रीचंद शर्मा, भारत चौहान, प्रीतम तोमर, अनिल सिंह तोमर, रविंद्र चौहान, मतवार सिंह रावत, सुमित्रा चौहान, रीना चौहान, आकृति जोशी मधुबाला सिंह, काजल शाह, लता राय, गुड्डी चौहान, ममता तोमर, साक्षी रावत आदि सहित अनेक लोग उपस्थित थे। फिल्म की परिकल्पना केएस चौहान ने की है, फिल्म के निर्देशक अनुज जोशी हैं।

राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकर्ताओं ने दिया गांधी पार्क पर धरना

संवाददाता

देहरादून। अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रीय लोकदल कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क में धरना देकर जिला प्रशासन के माध्यम से महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुंदर रावत के नेतृत्व में गांधी पार्क के समक्ष एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने अपनी मांगों को लेकर धरना दिया। धरने के दौरान उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग व्याप्त भ्रष्टाचार को विभाग के सक्षमम अधिकारियों अवगत कराने के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं होती है। पिछले दो तीन महीने से दल विभाग के सभी कर्मचारियों को बार-बार अवगत कराते हुए आये कि जो विभाग में अनियमितताएं की जा रही है एवं आउटसोर्स के कर्मचारियों का शोषण हो रहा है यह विभाग अगर अनदेखा कर रहा है तो इससे सरकार की छवि धूमिल होती है एवं विभाग पर गम्भीर आरोपों का घेरा बन जाता है। उन्होंने मांग की है कि आउटसोर्स के वरिष्ठ अधिकारियों को विभाग से हटाकर पूरे विभाग सहित क्रिएटिव एजेंसी की निष्पक्ष रूप से जांच की जाए एवं भ्रष्टाचारियों पर कडी कार्यवाही की जाए।

लघु व्यापारियों ने डीएम को सौंपा पांच सूत्रीय मांग पत्र

संवाददात

हरिद्वार। लघु व्यापारियों ने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को पांच सूत्री मांग पत्र सौंपा।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के एकमात्र संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अगवाई में रोशनाबाद स्थित जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह से प्रतिनिधिमंडल रूप में मुलाकात कर उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली 2016 के क्रियान्वन को लेकर विस्तारित रूप से चर्चा कर लघु व्यापारियों की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन भी प्रेषित किया। इस अवसर पर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करते हुए लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह को अवगत कराया उत्तराखंड सरकार की ओर से नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की समस्या के निदान के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा फेरी समिति का गठन किया हुआ है लेकिन 1 वर्ष से फेरी समिति की बैठक आयोजित नहीं की गई है जो कि न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहा पूर्व के चिन्हित 15 वेंडिंग जोन में से चार वेंडिंग जोन विकसित कर दिए गए लेकिन सभी वेंडिंग जोन में बिजली पानी जैसी मूलभूत सुविधा न होने के कारण केंद्र और राज्य की स्ट्रीट वंडर्स जनकल्याणकारी योजनाएं दम तोड़ रही हैं। लघु व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासित करते हुए जिला अधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने नगर निगम प्रशासन को निर्देशित किया के शीघ्र ही फेरी समिति की बैठक आयोजित कर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की सभी न्याय संगत मांगों के निदान व प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना व उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमवाली के नियम अनुसार योजनाबद्ध तरीके से लागु किए जाने को लेकर आदेशित किया। इस अवसर पर राजकुमार, कमल सिंह, सुनील कुकरेती, कपिल कुमार, मनीष, ओमप्रकाश भाटिया, फूल सिंह, सचिन, आजम अंसारी, पूनम माखन, रितु अग्निहोत्री, नम्रता सरकार, पुष्पा दास, सावित्री, मधु आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

जानिए लगातार 7 दिन तक एलोवेरा जूस पीने से क्या फायदे मिलते हैं!

आप भी सोचते होंगे कि इस कटीले पौधे में आखिर ऐसे कौन से चमत्कारी गुण पाए जाते हैं। जिससे ये इतना फायदेमंद है। दरअसल एलोवेरा का पौधा उष्णकटिबंधीय देशों में ज्यादा पाया जाता है। एलेवोरा एक रस वाला पौधा है। जिसका इस्तेमाल प्राकृतिक सौंदर्य उत्पादों में सबसे ज्यादा होता है। इसमें काटे भी होते हैं लेकिन जेल ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। औषधीय गुणों से भरपूर है और कई स्वास्थ्य लाभ देता है। एलोवेरा का इस्तेमाल करने से आपको कई आश्चर्यजनक फायदे मिलेंगे। जानते हैं लगातार 7 दिन तक एलोवेरा जूस पीने से क्या फायदे मिलते हैं।

1-पहले दिन एलोवेरा के पौधे की एक पत्ती काट लें। अब इसे अच्छी तरह धोकर लें। बीच में से काटकर चम्मच से जेल को निकाल लें। अब इसमें थोड़ा पानी डालकर असका जूस बना लें। पहले दिन आपको यही जूस पीना है। अगर ज्यादा जूस बन गया है तो इसे फ्रीजर में स्टोर भी कर सकते हैं।

2-एलोवेरा जूस पीने के दूसरे आपको अपनी त्वचा में थोड़ा फर्क आता दिखेगा। एलोवेरा का ताजा जूस पीने से कई फायदे मिलते हैं। इससे त्वचा की सूजन भी कम होने लगती है। आपको दूसरे दिन ही पेट में भी काफी अंतर नज़र आएगा। इससे पेट और स्किन दोनों साफ होने लगेंगी।

3- आपको तीसरे दिन भी एलोवेरा जूस पीना है। अब धीरे-धीरे आपकी स्किन की टैनिंग कम होने लगेगी। गर्मियों में धूप में त्वचा जल जाती है। जो एलोवेरा जूस पीने से साफ होने लगेगी। एलोवेरा में एंटीऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं जिससे बर्न स्किन जल्दी ठीक होती है।

4- अब चौथे दिन आपको महसूस होने लगेगा कि आपकी स्किन का सूखापन खत्म होने लगा है। आपकी स्किन में नमी आने लगेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि एलोवेरा के पौधे में 98त्न पानी होता है। एलोवेरा जूस पीने और जेल लगाने से स्किन हाइड्रेट रहती है।

5- अब आपको अपनी पूरी बॉडी में चमत्कारी फायदे नजर आने लगेंगे। आपकी त्वचा में चमक आने लगेगी, आप पहले से ज्यादा ब्राइट दिखने लगेंगे, पेट की समस्याएं भी कम हो जाएंगी। बालों भी मुलायम और चमकदार बन जाएगे।

6- अगर आपको पिंपल्स की समस्या है तो एलोवेरा जूस पीने से आपकी ये समस्या भी दूर हो जाएगी। 6 दिन में आपको एलोवेरा जूस के कई फायदे नज़र आने लगेंगे। इससे आपका ब्लड फ्लो भी अच्छा होगा और बैक्टीरिया भी दूर हो जाएंगे।

7- सातवें दिन एलोवेरा के फायदे ही फायदे दिखने लगेंगे। इसे पीने से आपकी त्वचा हल्की, चमकीली, नरम और साफ होने लगेगी। ऐसे में अगर आप नियमित रुप से एलोवेरा का जूस नहीं पीते तो शुरु कर दीजिए। लगातार 7 दिन तक एलोवेरा का इस्तेमाल करने से आपको चमत्कारी फायदे मिलेंगे।

विभाजन की तार्किकता

भारत को विभाजित करके मुहम्मद अली जिन्ना मुसलमानों के लिए अलग देश बसाने की मांग कर रहे थे। दूसरी ओर भारत विभाजन की मांग का देश भर में विरोध किया जा रहा था।

सुविख्यात अमेरिकी पत्रकार लुई फिशर भारत का भ्रमण कर विभाजन के विषय पर नेताओं से मिलकर उनकी प्रतिक्रिया एकत्र कर रहे थे। मुहम्मद अली जिन्ना से मिलने के बाद वह क्रांतिकारी विनायक दामोदर सावरकर से मिलने पहुंचे। फिशर ने पूछा, 'आपको देश के एक वर्ग के लिए अलग देश पाकिस्तान बनाने में क्या आपत्ति है?'

सावरकर ने प्रतिप्रश्न किया, 'आपके देश में नीग्रो काफी समय से अलग देश की मांग कर रहे हैं। आपका देश उनकी मांग को स्वीकार क्यों नहीं कर रहा है?' फिशर के मुंह से निकल गया, 'देश का विभाजन राष्ट्रीय अपराध होगा। इसलिए हमने विभाजन स्वीकार नहीं किया।'

सावरकर तुरन्त बोले, 'आपकी तरह हम भी अपने देश के विभाजन को राष्ट्रीय अपराध मानते हैं।' यह सुनते ही लुई फिशर चुप हो गए।

प्रस्तुति : मुकेश शर्मा

हथेली के निशान भी होते हैं शुभ अशुभ

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हमारी हथेली पर ऐसे कई निशान होते हैं जो छोटी-छोटी रेखाओं के मिलने या टकराने से बनते हैं। इनमें कुछ निशान हमें शुभ फ्ल प्रदान करते हैं, किंतु कुछ बेहद अशुभ होते हैं।

कुछ खास स्थितियों में चक्र का निशान जहां हथेली के कुछ शुभ निशानों में माने जाते हैं, वहीं कुछ ऐसे निशान भी हैं जो हर परिस्थिति में बेहद अशुभ स्थितियां लाते हैं। जानिए हाथ में बनने वाले अशुभ निशान क्रॉस के बारे में।

सूर्य ग्रह हमें समाज में यश, सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाता है और इसी पर्वत पर अशुभ चिह्न का होना मुसीबतें खड़ी कर देता है। सूर्य पर्वत पर स्थित क्रॉस संकट को दर्शाता है। यह व्यक्ति को प्रसिद्धि, कला या धन की खोज में निराशाजनक संकेत देता है। इस पर्वत पर क्रॉस व्यक्ति की बेईमान प्रकृति को दर्शाता है। व्यक्ति अच्छे मस्तिश्क होने के बावजूद दोहरी प्रकृति का होता है। यह निशान व्यक्ति की बुद्धि को नश्ट करने का काम भी करता है। सब कुछ जानते हुए भी वह बुरे कर्म करने लगता है।

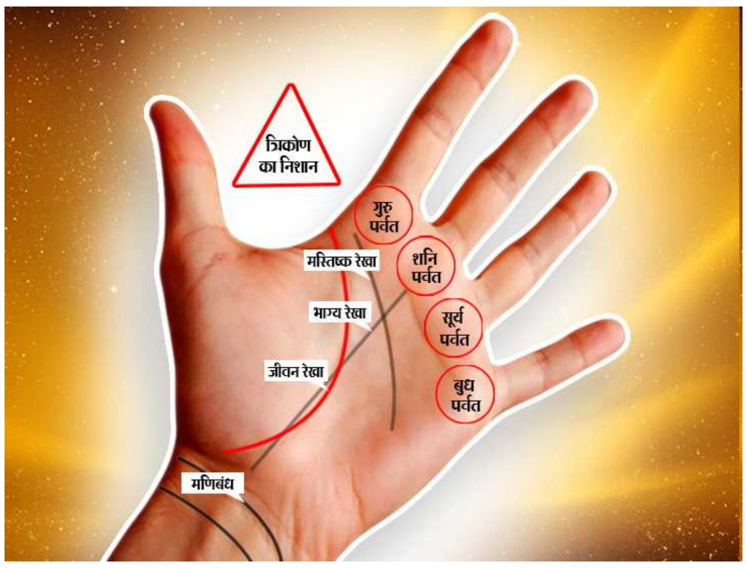

चंद्र पर्वत पर क्रॉस पद, तो व्यक्ति कल्पना से प्रभावित रहेगा। व्यक्ति सदैव सपनों की दुनिया मे रह कर खुद को धोखा देगा।

जब क्रॉस शुक्र पर्वत पर स्थित हो तो कुछ संकट या प्रेम संबंध में कश्ट का संकेत देता है। शुक्र प्रेम संबंधों और विलासता का कारक माना गया है, इसलिए क्रॉस का अशुभ चिह्न जीवन के इन्हीं दो बड़े क्षेत्रों पर आक्रमण करता है।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हथेली पर बना क्रॉस का निशान मुसीबत, निराशा, खतरा और कभी-कभी जीवन में संकट का संकेत देता है। क्रॉस के लक्षण विभिन्न पर्वतों और रेखाओं की स्थिति पर निर्भर करते हैं।

यह व्यक्ति में शत्रु और चोटों के कारण संकट को दर्शाता है। यह संघर्ष, झगड़े और हिंसा द्वारा मृत्यु का भी संकेत देता है। ऐसे व्यक्ति का अगर किसी के साथ झगड़ा हो, तो वह अमूमन उग्र रूप ले लेता है।

करेला के जूस में छिपा है सेहत का राज, रोजाना पीने से मिलेंगे कई फायदे

करेला का जूस शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। यह एक खास तरह की सब्जी होती है। जो कड़वे स्वाद और अपने फायदे के लिए जाने जाते हैं। करेला का जूस सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। इसमें कई तरह के औषधीय गुण होते हैं। करेला का जूस भले ही स्वाद में कड़वा होता है लेकिन यह पूरे शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है। साथ ही साथ ब्लड में शुगर लेवल को कंट्रोल करने का काम करता है। इसे पीने से हार्ट हेल्थ से लेकर पाचन भी काफी अच्छा होता है। इसका ड्रिंक पीना है तो आप इसमें नींबू, अदरक और शहद मिलाएं। ताकि इसका स्वाद काफी ज्यादा अच्छा रहे।

करेले का जूस विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से होता है भरपूर

करेले के जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट का बेहतरीन स्रोत होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मददगार होते हैं। इसे पीने से इम्यूनिटी बढ़ती है, संक्रमण होने का खतरा भी कम होता है। करेले में मौजूद विटामिन ए और बीटा कैरोटीन की मात्रा आंखों के लिए काफी फायदेमंद होती है, इसे नियमित रूप से पीने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। करेले के जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं।पिंपल या मुंहासे को भी कम करने में मदद करते हैं। करेले में मौजूद बिटर्स और अल्कलॉइड तत्व रक्तशोधक का काम करते हैं। करेले का जूस पीने से डायबिटीज कंट्रोल में होता है। इसे पीने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल नियंत्रण में रहता है। इससे डायबिटीज के लक्षण कम होते हैं यह शरीर में इंसुलिन को एक्टिव करता है। करेले का जूस लीवर के लिए भी हेल्दी होता है, ये लिवर एंजाइम को बढ़ाने के साथ-साथ लिवर को डिटॉक्स करने में भी काफी मददगार होता है। करेले का जूस मोटापे सहित खूनी बवासीर में भी फायदेमंद होता है, इससे पाचन क्रिया सही रहती है।

डायबिटीज मरीज के लिए करेले का जूस वरदान की तरह है । यह काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। साथ ही इसमें पाए जाने वाले तत्व शरीर में इंसुलिन के लेवल को बढ़ाते हैं। साथ ही शुगर कंट्रोल करते हैं।

सुबह खाली पेट कीवी खाना सेहत लिए है बहुत लाभकारी

आज के समय में कुछ लोग फिट रहने के लिए फ्रूट्स खाना बहुत पसंद करते है विटामिन मिनरल्स और प्रोटीन से भरपूर फलों के ताजे जूस से लेकर फरुआतस सलाद तक हेल्दी डाइट प्लान का हिस्सा होता है अगर पोषक तत्वों से भरपूर कीवी सुबह खली पेट खाया जाए तो बॉडी की इम्युनिटी पावर बढ़ाने में मदद मिलती है कीवी को विटामिन ई विटामिन ए , सी बी6 का अच्छा स्त्रोत माना जाता है आज हम आपको कीवी के फायदों के बारे में बताएंगे ।

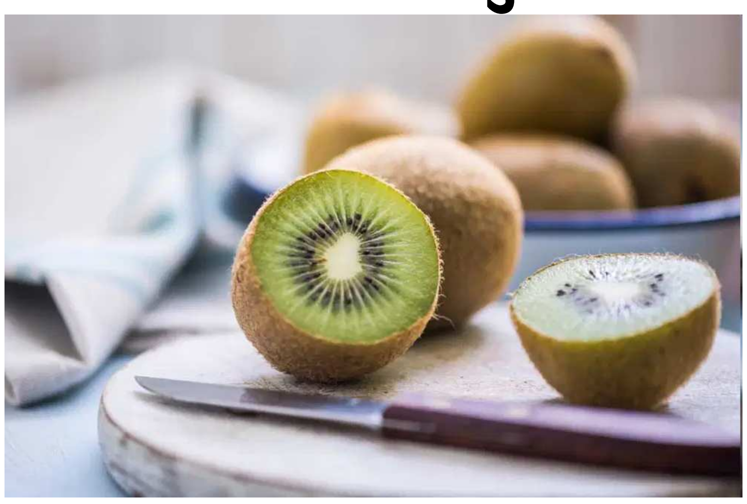

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के चलते लोगों का ध्यान इम्युनि मजबूत करने पर है वहीं इम्युनिटी बढ़ाने के लिए कीवी का सेवन करना एक बहुत ही फायदेमंद उपाय है इसमें मौजूद विटामिन सी और विटामिन के जैसे तत्व इम्युनिटी पावर को बढ़ाने का काम करते है सुबह खली पेट कीवी का सेवकन करने से खांसी जुकाम सर्दी जैसे फ्लू से भी बचा जा सकता है ।

कीवी का सेवन ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के साथ -साथ दिल की बिमारियों में भी काफी लाभकारी है खली पेट कीवी का सेवन करने से हार्ट अटैक स्ट्रोक हार्टबर्न जैसी परेशानियों का खतरा कम हो जाता है ।

फाइबर से भरपूर होने के कारण कीवी पेट से जुडी समस्याएं से छुटकारा दिलाने में मदद करता है हर रोज खली पेट कीवी का सेवन करने से पेट साफ होता है साथ ही इससे कब्ज ,एसिडिटी और गैस जैसी परेशानियों से भी छुटकारा पाया जा सकता है ।

विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होने के कारण कुछ लोग बॉडी को तंदुरस्त बनाने के लिए भारी मात्रा में कीवी का सेवन कर लेते है ऐसा करने से बचना चाहिए कीवी में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है अधिक मात्रा में खाने सेपेट में दर्द एलर्जी और किडनी से जुडी कई परेशानिया हो जाती है।

केटलबेल से एक्सरसाइज़ करते समय इन बातों का रखें ध्यान

केटलबेल के साथ एक्सरसाइज करना काफी अच्छा माना जाता है क्योंकि इससे न सिर्फ शरीर की अतिरिक्त कैलोरी को जल्द कम करने में मदद मिलती है बल्कि अन्य कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। हालांकि ये फायदे तभी मिलते हैं जब आप केटलबेल से एक्सरसाइज को ठीक ढंग से करें क्योंकि एक छोटी सी गलती चोट का कारण बन सकती है। आइए जानते हैं कि केटलबेल से एक्सरसाइज करते समय आपको किन-किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

केटलबेल से एक्सरसाइज करने के लिए इसका सही चयन बहुत जरूरी है क्योंकि गलत केटलबेल से एक्सरसाइज करने से चोट लगने की संभावना बढ़ सकती है। इसके लिए आप अपने नजदीकी फिटनेस स्टोर पर जाएं और सही केटलबेल चुनने के लिए किसी फिटनेस एक्सपर्ट की मदद लें। ध्यान रखें कि केटलबेल का हैंडल इतना चौड़ा होना चाहिए कि आप इसे दोनों हाथों से बिना किसी दिक्कत के पकड़ सकें।

जब आप केटलबेल से एक्सरसाइज करें तो यह जरूरी है कि आप इसे सही तरह से पकड़ें। अगर आपको लगता है कि केटलबेल उठाने के दौरान आपकी ग्रिप ढंग से नहीं बनी है तो इसे छोड़ दें। कभी भी केटलबेल को अजीब स्थिति में पकड़ने की कोशिश न करें क्योंकि इससे आपको गंभीर चोट लग सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप केटलबेल को अच्छे से पकड़ने के बाद ही अपनी एक्सरसाइज करें।

अगर केटलबेल उठाते समय आपकी कलाई की अवस्था ठीक नहीं है तो इसके कारण न सिर्फ हाथों में दर्द हो सकता है बल्कि कई तरह की अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। केटलबेल के साथ एक्सरसाइज करते समय कलाई में एक प्रॉपर एंगल बनाए रखने से चोट लगने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। कोशिश करें कि आप अपनी कलाइयों को बिना झुकाए सीधा रखें ताकि केटलबेल उठाते समय अतिरिक्त तनाव महसूस न हो।

केटलबेल एक एक्सरसाइज टूल है जिसे उठाते समय अच्छे फॉर्म का होना जरूरी है। इसलिए फर्श से केटलबेल उठाते समय यह सुनिश्चित करें कि आपकी कमर एकदम सीधी हो। इसी तरह आप कंधों को थोड़ा पीछे रखें। कंधों को आगे की ओर घुमाने से चोट लग सकती है। वहीं इस बात का भी हमेशा ध्यान रखें कि केटलबेल एक्सरसाइज के दौरान आपके कूल्हों पर अधिक तनाव न पड़े।

हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करते समय इन गलतियों से बचें

रोजाना कुछ मिनट हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करने से पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूती और कई तरह के अन्य स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। हालांकि, बहुत से लोग इसे करते समय अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिससे उन्हें इसका फायदा नहीं मिल पाता और चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है। चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि इस एक्सरसाइज को करते समय किन-किन गलतियों से बचना चाहिए।

एक्सरसाइज रोड़ को सही से न पकड़ना

जब हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करें तो इसकी रोड को सही से पकड़ें क्योंकि अगर ग्रिप ढंग से न बनी हो तो हाथों के छूटने से गिरने का डर रहता है। वहीं, कभी भी रोड को अजीब स्थिति में पकड़ने की कोशिश न करें क्योंकि इससे आपको चोट लग सकती है। हैंगिंग लेग रेज करते समय हमेशा रोड को ऐसे पकड़ें जैसे आप मुट्ठी बंद कर रहें हों यानी रोड के एक ओर उंगलियां तथा दूसरी ओर अंगूठे को रखें।

शारीरिक पॉश्चर का गलत होना

हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज रोड के इस्तेमाल से की जाती है, जिसे पकड़ते समय शारीरिक पॉश्चर का सही होना जरूरी है। अमूमन लोग यह एक्सरसाइज करते समय रोड़ पर झूलते रहते हैं, लेकिन इस गलती के कारण शारीरिक दर्द की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए इस एक्सरसाइज को करते समय ध्यान रखें कि आपका शरीर झूले के समान आगे-पीछे नहीं होना चाहिए, बल्कि एकदम स्थिर रहना चाहिए। इससे आपको एक्सरसाइज से भरपूर फायदा मिलेगा।

ठीक से सांस न लेना

कई लोग हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करते समय ठीक से सांस नहीं लेते हैं, लेकिन ऐसा करना उनकी सबसे बड़ी गलती है क्योंकि इससे उनको नुकसान पहुंच सकता है। बता दें कि इस एक्सरसाइज के दौरान सांस लेते समय पैरों को उठाना होता है और पैरों को नीचे करते समय सांस छोड़नी होती है। अगर आप इस एक्सरसाइज के दौरान सांस पर ध्यान नहीं देते हैं तो आपको इसके कारण सांस से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

देश के लिए चुनौती बने सड़क़ हादसे

अमित बैजनाथ गर्ग

यूं तो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाली सडक़ें देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं, लेकिन आए दिन होने वाले सडक़ हादसे कई सवालिया निशान भी खड़े कर रहे हैं।

सडक़ हादसे भारत जैसे विकासशील देश के लिए चुनौती बने हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले साल वैश्विक सडक़ सुरक्षा सप्ताह के दौरान एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसके अनुसार वैश्विक स्तर पर सडक़ दुर्घटनाओं में प्रति वर्ष 1.35 मिलियन से अधिक मौतें होती हैं, और 50 मिलियन से अधिक लोगों को गंभीर शारीरिक चोटें आती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में सडक़ दुर्घटनाओं के कारण होने वाली कुल मौतों में से 11 प्रतिशत भारत में होती हैं।

सडक़ दुर्घटनाओं के कारण भारत को होने वाले नुकसान को लेकर विश्व बैंक के आकलन के अनुसार, 18-45 आयु वर्ग के लोगों की सडक़ दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर सर्वाधिक 69 प्रतिशत है। इसके अलावा 54 प्रतिशत मौतें और गंभीर चोटें मुख्य रूप से संवेदनशील वगरे जैसे पैदल यात्री, साइकिल चालक और दोपहिया वाहन सवार आदि में देखी जाती हैं। भारत में 5-29 वर्ष आयु-वर्ग के बच्चों और युवा वयस्कों में सडक़ दुर्घटना मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। विश्व सडक़ सांख्यिकी के अनुसार, 2018 में सडक़ दुर्घटना से होने वाली मौतों की संख्या में भारत दुनिया में पहले स्थान पर था। इसके बाद चीन और अमेरिका का नंबर आता है।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, देश भर में होने वाली कुल सडक़ दुर्घटनाओं में से 76 प्रतिशत दुर्घटनाएं ओवरस्पीडिंग और गलत साइड पर गाड़ी चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण होती हैं। कुल सडक़ दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों और पैदल चलने वालों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके बावजूद सडक़ यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन के दौरान इस विषय पर ध्यान नहीं दिया जाता। यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन सडक़ों को विस्तृत करने तक ही सीमित है, जिसके कारण कई बार सडक़ों और राजमागरे पर ब्लैक स्पॉट बन जाते हैं। ब्लैक स्पॉट वे स्थान होते हैं, जहां सडक़ दुर्घटना की आशंका सबसे अधिक रहती है। सडक़ दुर्घटनाओं के कारण होने वाली 80 प्रतिशत मौतों के लिए वाहन चालक प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होते हैं। यह तथ्य देश में अच्छे ड्राइविंग स्कूलों की कमी की ओर भी इशारा करता है। सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की %भारत में सडक़ दुर्घटनाएं' शीर्षक वाली रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में सडक़ दुर्घटना में लगभग 68 प्रतिशत मौतें ग्रामीण क्षेत्रों में हुई, जबकि कुल दुर्घटना मौतों में शहरी क्षेत्रों का योगदान 32 फीसद रहा। दुर्घटनाओं और मृत्यु दर, दोनों में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी सर्वाधिक रही।

यूं तो सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केंद्र सरकार अपने स्तर पर काफी प्रयास कर रही है, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। सडक़ सुरक्षा के बारे में प्रभावी जन जागरु कता बढ़ाने के लिए सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से मीडिया के सभी माध्यमों द्वारा विभिन्न प्रचार उपाय एवं जागरु कता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा मंत्रालय सडक़ सुरक्षा समर्थन के संचालन के लिए विभिन्न एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भी योजना का संचालन कर रहा है। इंजीनियरिंग योजना स्तर पर सडक़ सुरक्षा को सडक़ डिजाइन का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। सभी राजमार्ग परियोजनाओं का सभी चरणों में सडक़ सुरक्षा ऑडिट अनिवार्यकिया गया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने वाहन की अगली सीट पर ड्राइवर की बगल में बैठे यात्री के लिए एयरबैग के अनिवार्यप्रावधान को लागू किया है। इसके साथ ही कानूनों और प्रवर्तन में सुधार, ढांचागत परिवर्तनों के माध्यम से सडक़ों को सुरक्षित बनाना और सभी वाहनों में जीवनरक्षक तकनीक उपलब्ध कराना जरूरी किया जाना चाहिए।

असल में सडक़ हादसों में कमी लाने के लिए जरूरी है कि लोगों के व्यवहार में परिवर्तन का प्रयास किया जाए। हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश सडक़ दुर्घटनाएं इन्हीं कारणों से होती हैं। लोगों को शराब पीकर गाड़ी न चलाने के प्रति जागरूक करना होगा। वहीं दुर्घटना के बाद तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराना और पीड़ित को जल्द अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। दुर्घटना के बाद आस-पास खड़े लोग घायल की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सडक़ों की योजना, डिजाइन और संचालन के दौरान सुरक्षा पर ध्यान देना सडक़ दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने में प्रभावी योगदान दे सकता है। जब तक इन सुझावों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक सडक़ दुर्घटनाओं को कम करना संभव नहीं होगा। जरूरी है कि सडक़ सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं पर विचार करते हुए आवश्यक उपायों की खोज की जाए।

शब्द सामर्थ्य - 61

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

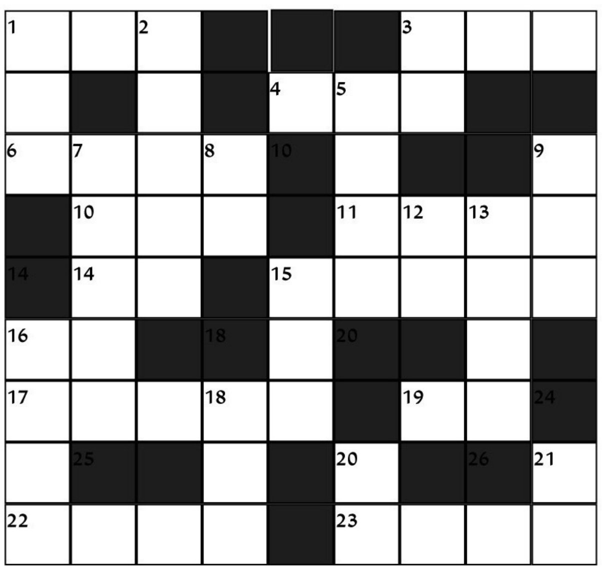

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 60 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

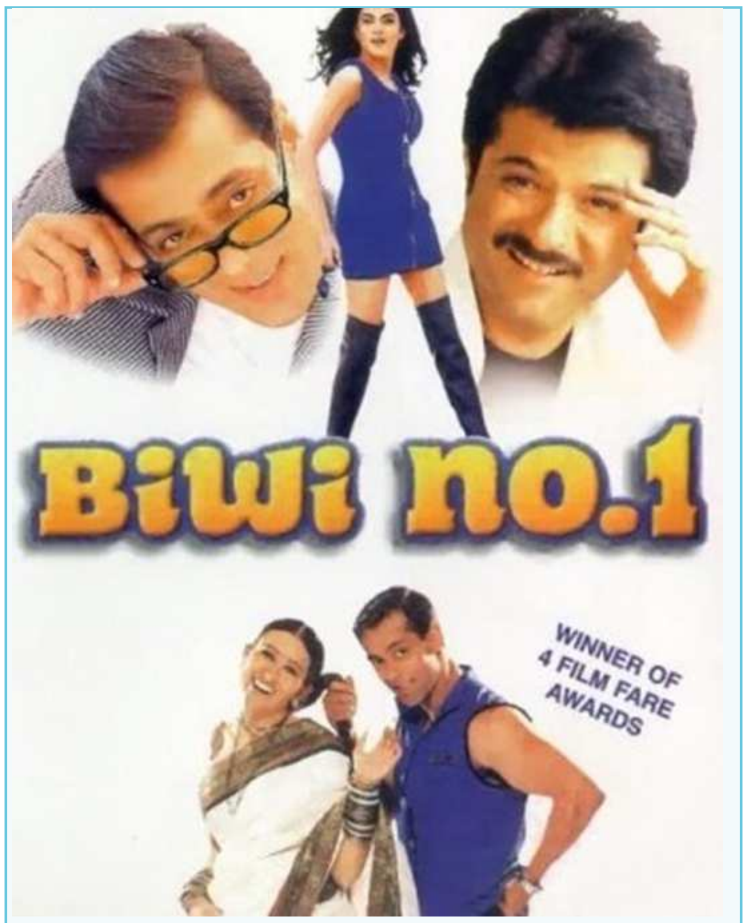

बड़े पर्दे पर 23 साल बाद री-रिलीज हुई बीवी नंबर 1

अकसर लोगों को यह कहते सुना होगा कि शोले और दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे जैसी आइकॉनिग फिल्में जब थिएटर में रिलीज हुई होंगी तो थिएटर में क्या नजारा रहा होगा। अब इस फील को पूरा करने के लिए आइकॉनिक फिल्मों को री-रिलीज करने चलन हो गया है। हाल ही में शाहरुख खान की कई फिल्में री-रिलीज हुईं, जिसमें वीर जारा और कल हो ना हो शामिल हैं। वहीं, शाहरुख खान और सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म करण-अर्जुन भी दोबारा रिलीज हो चुकी है। अब सलमान खान, सुष्मिता सेन और अनिल कपूर स्टारर फैमिली ड्रामा और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर वाली फिल्म बीवी नं 1 थिएटर में री-रिलीज हुई है। डेविड धवन की बिगेस्ट एंटरटेनर फिल्म बीवी नं 1 थिएरट में दोबारा 29 नंवबर को रिलीज हुई। बता दें, इस फिल्म को वरुण धवन के पिता डेविड धवन ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में सलमान खान की पत्नी का रोल करिश्मा कपूर ने प्ले किया था। वहीं, फिल्म में सलमान खान का सुष्मिता सेन से एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। वहीं, अनिल कपूर फिल्म में करिश्मा कपूर की मदद करने आते हैं और सलमान खान की अक्ल ठिकाने लगाते हैं। साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म बीवी नं 1 सलमान खान के करियर की सुपरहिट फिल्म है। बता दें, 12 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म बीवी नं 1 ने बॉक्स ऑफिस पर तकरीबन 50 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था।

द साबरमती रिपोर्ट फिल्म के रिस्पांस से बहुत अच्छा लग रहा है: रिद्धि डोगरा

देश के बहुचर्चित गोधरा कांड पर बनी विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की देश भर में जम कर तारीफ हो रही है। लोग इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में पहुंचे। इस फिल्म को लेकर अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। हमने अपनी मेहनत की है, और जब आप अपनी मेहनत को सामने लाते हैं और उसे ऑडियंस तक पहुंचाते हैं, तो फिर आप यही सोचते हैं कि लोग इसका कैसा रिस्पॉन्स देंगे। अब जो भी रिस्पॉन्स मिल रहा है, वह बहुत अच्छा है और सच में बहुत अच्छा लग रहा है। लोग खुद बता रहे हैं कि उन्हें फिल्म में क्या-क्या अच्छा लगा। यह बहुत ही बड़ी खुशी की बात है कि हमारे काम को सराहा जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी फिल्म के बारे में बात की है, इससे बढ़कर और कुछ नहीं हो सकता। यह बहुत अच्छा लग रहा है। साथ ही, हरियाणा के मुख्यमंत्री जी भी फिल्म देख रहे हैं, और यह भी बहुत अच्छा लग रहा है। हम बहुत खुश हैं कि हमारी फिल्म सबको इतनी पसंद आ रही है। मैं फिल्म देखने आई हूं। अभी इंटरवल हो चुका है, और अब फिल्म का दूसरा भाग शुरू हो चुका है, तो हम उम्मीद करते हैं कि जैसे पहले भाग को पसंद किया गया, वैसे ही बाकी फिल्म भी लोगों को अच्छी लगे। फिल्म खत्म होने के बाद सबसे मिलकर और भी खुशी होगी। बता दें कि द साबरमती रिपोर्ट साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने की घटना पर बनी है। यह घटना 27 फरवरी, 2002 को हुई थी, जिसमें झुलस कर 59 लोगों की मौत हो गई थी। फिल्म में अभिनेत्री राशि खन्ना, विक्रांत मैसी और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं और तीनों ही पत्रकार की भूमिका में हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स, विकिर फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, द साबरमती रिपोर्ट शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

लहंगा पहन ग्लैमरस लुक में नजर आईं सोफी चौधरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उन्होंने ना अपनी एक्टिंग से बल्कि सिंगिंग से भी लोगों के दिल पर राज किया है। अब हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनकी बोल्डनेस और हॉटनेस देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

सोफी चौधरी के लेटेस्ट फोटोशूट में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर का सिंपल लहंगा पहना हुआ है, जिसमें उन्होंने ब्लू कलर का गोटेदार दुपट्टा कैरी किया है।

गले में नेकलेस, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपने हर एक से सोशल मीडिया पर बवाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

डिजाइनर सूट पहन रकुल प्रीत सिंह ने दिखाई दिलकश अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। इन फोटोज में उनकी हुस्न की बेबाक अदाएं देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह ने पीच कलर का अनारकली सूट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं।

खुले बाल, गले में नेकलेस और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने इस आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।

बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

ट्रंप के साथ एलन मस्क की जबरदस्त जुगलबंदी

श्रुति व्यास

पिछले कुछ महीनों से ट्रंप के साथ अगर कोई जबरदस्त जुगलबंदी कर रहा था तो वे थे एलन मस्क। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान सबसे बढ़-चढ़कर लफ्फाजी करने वालों में मस्क अग्रणी थे।

ट्रंप की एक रैली में उछल-कूद मचाते हुए उन्होंने दावा किया था कि वे न केवल मागा हैं बल्कि वे एक बर्बर डार्क गौथिक मागा हैं।

ट्रप के पक्ष में माहौल बनाने के लिए मस्क ने %एक्स' का भरपूर इस्तेमाल किया। उन्होंने ट्रंप समर्थकों और उनकी टीम को अपनी बात कहने के लिए एक्स का मंच दिया।

मस्क ने खुद के एक्स एकाउंट पर जो रोगन के साथ उनके उस पॉडकास्ट का प्रसारण किया जिसमें वे मागा और डोनाल्ड ट्रंप का गुणगान कर रहे हैं और यह बता रहे हैं कि वे ट्रप के कितने बड़े मुरीद हैं।

गौरतलब है कि एक्स पर मस्क के 2० करोड़ फालोअर हैं। मस्क ने अमेरिका के स्विंग राज्यों (वे राज्य जहाँ दोनों पार्टियों के समर्थकों की संख्या लगभग सामान है) में पंजीकृत प्रत्येक मतदाता को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और हथियार रखने के अधिकार के पक्ष में एक याचिका पर हस्ताक्षर करने के बदले 47 डालर देने की घोषणा भी की थी।

सीधे शब्दों में कहा जाए तो उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप का पूरा समर्थन किया और उनके चुनावी अभियान पर अपना धन भी लुटाया। उन्होंने अपने प्रभाव और अपने अकूत धन, दोनों को ट्रप को समर्पित कर दिया।

जाहिर है कि वे परोपकार तो कर नहीं रहे थे। अब वे यह उम्मीद कर रहे होंगे कि उनके समर्थन का ईनाम उन्हें मिलेगा। वे चाहेंगे कि टेस्ला, स्पेस एक्स और उनके अन्य कारोबारों में हो रही गड़बड़ियों को नियामक संस्थाएं नजरअंदाज करें या कम से कम उन पर सख्त रूख अख्तियार न करें।

ट्रप ने भी दरियादिली दिखाई और जीत बाद दिए गए भाषण में कहा, एक नए सितारे का उदय हो गया है जिसका नाम है एलन।

इसके फौरन बाद टेस्ला का शेयर करीब 15 प्रतिशत चढ़ गया और उस दिन वह एसएंडपी सूचकांक के सबसे ज्यादा बढऩे वाले शेयरों में से एक बना।

इससे मस्क की कुल संपत्ति में 2० बिलियन डालर का इज़ाफ़ा हुआ और वह बढ़कर 285 बिलियन डालर हो गई। ज्ञानीजन कयास लगाने लगे कि क्या वे दुनिया के पहले ऐसे व्यक्ति बनने की राह पर हैं जिसकी संपत्ति 1००० बिलियन डॉलर से अधिक हो।

मस्क एक्स की खातिर कुछ भी करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने जनमत को ट्रंप के पक्ष में करने के लिए एक्स के मालिक के तौर पर बहुत बड़ा राजनैतिक और व्यावसायिक दांव खेला है।

इसलिए ट्रंप की जीत एक्स के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। ट्रंप के शासनकाल में एक्स को एक ऐसे मंच का दर्जा मिल सकता है जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति का समर्थन हासिल है - जिससे उसका प्रभाव और बढ़ जाएगा।

ऐसी अफवाहें हैं कि एक्स का ट्रप के प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल की होल्डिंग कंपनी में विलय हो सकता है। चुनाव की रात मस्क ने अपने करोड़ों फालोअर्स को संबोधित एक पोस्ट में कहा था कि, अब आप ही मीडिया हैं।

यह देखा जाना बाकी है कि मस्क के व्यवसायिक साम्राज्य की संघीय जांचों का अब क्या होता है। बाइडन प्रशासन के दौरान नियामक संस्थाओं द्वारा मस्क की कंपनियों की जांच-पड़ताल काफी बढ़ गई थी।

न्याय विभाग, सिक्युरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन, नेशनल लेबर रिलेशन बोर्ड, पर्यावरण संरक्षण एजेंसी और संघीय व्यापार आयोग - सभी ने उनकी कंपनियों की जांच शुरू कर दी थी।

लेकिन जीत के बाद दिए गए अपने भाषण में ट्रप ने मस्क की ओर इशारा करते हुए कहा, हमें अपनी प्रतिभाओं को संरक्षण देना होगा। हमारे पास ये ज्यादा संख्या में नहीं हैं।

मस्क को ट्रंप के सत्ता में आने से फायदा होगा इसमें कोई शक नहीं। उन्हें अपनी वफादारी का ईनाम मिलेगा। उन्हें सरकारी ठेके बिना ज्यादा जांच-पड़ताल के मिलेंगे। इस बात की भी संभावना है कि उन्हें सरकार में कोई पद दे दिया जाए।

चुनाव प्रचार के दौरान मस्क ने कहा था कि एक %शासकीय कार्यकुशलता आयोग' का गठन किया जाना चाहिए जो संघीय सरकार के सभी कार्यकलापों का लेखा-जोखा रखे। यह बात उन्होंने सबसे पहले एक्स पर ट्रंप के साथ हुई चर्चा के सीधे प्रसारण के दौरान कही।

मस्क ने कहा था कि यह आयोग यह सुनिश्चित कर सकता है कि करदाताओं का धन %ठीक से खर्च किया जाए'। हाल में ट्रंप ने घोषणा की कि वे ऐसा आयोग बनाएंगे और उसका जिम्मा मस्क को सौंपा जाएगा।

इस शासकीय आयोग के प्रमुख के तौर पर मस्क का संघीय संस्थाओं पर अच्छा खासा दबदबा रहेगा और किसे कितना बजट दिया जाए, यह तय करने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

ट्रंप ने इस बात का विस्तार से खुलासा नहीं किया है कि इस आयोग की कार्यप्रणाली क्या होगी और उसे कितनी स्वायत्ता हासिल होगी। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा है कि वह बजट में भारी कटौती करने के तरीके सुझाएगा। मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि मस्क की बल्ले-बल्ले हो जाएगी।

लेकिन यह गहरी मित्रता आखिर कब तक चलेगी? ट्रप नहीं चाहेंगे कि उन्हें सुर्खियां किसी और के साथ साझा करनी पड़ें। मस्क का भी हमेशा सुर्खियों में बने रहने का अरमान रहता है।

दोनों ही व्यापारी हैं जो हर रिश्ते और मित्रता को लाभ-हानि के तराजू पर तौलते हैं। दोनों ही बहुत अस्थिर मिजाज वाले हैं। और जैसे दो समान आवेश वाली चीजें एक दूसरे को प्रतिकर्षित करती हैं, वैसे ही एक से मिजाज और अहं वाले दो व्यक्तियों के बीच दोस्ती टूटने में देर नहीं लगती।

दोस्ती कब नफरत में बदल जाए कहा नहीं जा सकते। जब तक ऐसा नहीं होता तब तक मस्क ट्रंप के राष्ट्रपति होने से लाभान्वित होते रहेंगे।

सू- दोकू क्र. 61

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.60 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

दुर्दशा का तथ्य नकारना व्यर्थ

एक और सरकारी संस्था की रिपोर्ट ने श्रमिक वर्ग की बढ़ती रही दुर्दशा पर रोशनी डाली है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) के अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वे (एनएएफआईएस) 2०21-22 के दौरान पाया गया देहाती इलाकों में कर्ज के बोझ तले दबे परिवारों की संख्या में साढ़े चार प्रतिशत इजाफा हुआ है।

2०16-17 के सर्वे के दौरान ऐसे परिवारों की संख्या 47.4० प्रतिशत थी, जो ताजा सर्वे के समय 52 फीसदी हो चुकी थी। कहा जा सकता है कि अब ज्यादा लोग लाइफ स्टाइल बढ़ाने के लिए कर्ज ले रहे हैं। मगर आय की स्थिति पर गौर करें, तो ऐसे तर्क निराधार मालूम पड़ेंगे।

ताजा सर्वे में ग्रामीण परिवारों की औसत मासिक आय 12,698 रु. सामने आई। इसमें पांच साल में डेढ़ गुना से ज्यादा बढ़ोतरी हुई। तब औसत आमदनी 8,०59 रु. थी।

राष्ट्रीय परिवार 4.4 व्यक्तियों का है। तो हर व्यक्ति पर आय 2,886 रु. बैठती है। यानी प्रति दिन एक व्यक्ति की खर्च क्षमता 96 रुपये होगी।

यह औसत आय है, जिसमें ग्रामीण इलाकों के सबसे धनी और गरीब दोनों तबकों की आमदनी शामिल है।

2०13-14 में रंगराजन समिति ने भारत की गरीबी रेखा 32 रु. प्रति दिन खर्च क्षमता रखने का सुझाव दिया था। दस साल की

देहाती इलाकों में कर्ज के बोझ तले दबे परिवारों की संख्या में साढ़े चार प्रतिशत इजाफा हुआ है। 2016-17 के सर्वे के दौरान ऐसे परिवारों की संख्या 47.4० प्रतिशत थी, जो ताजा सर्वे के समय 52 फीसदी हो चुकी थी।

मुद्रास्फीति से उसे एडजस्ट करें, तो ये रकम आज तकरीबन 6० रुपये बैठेगी।

इस पैमाने पर पर अनुमान लगाएं, तो संभव है कि भारत में आधे से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे आएंगे। वैसे, जिन परिवारों की औसत आय 12 हजार रुपये हो, वे लाइफ स्टाइल संबंधी चीजों की खरीद के लिए कर्ज लें, यह मानने का कोई तुक वैसे भी नहीं है। तो जाहिर है, शिक्षा, स्वास्थ्य और शादी-विवाह आदि जैसे खर्चों के लिए कर्ज लेने वाले परिवार बढ़े हैं।

इसके पहले लेबर ब्यूरो की पारिश्रमिक दर सूचकांक रिपोर्ट, कृषि मंत्रालय के जारी हुए आंकड़ों, तथा पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे रिपोर्ट आदि में बताया जा चुका है कि श्रमिक वर्ग की वास्तविक आय गिरी है और औसत आय में वृद्धि गतिरुद्ध हो गई है।

उपभोग और मांग गिरने की बातें सामने आ चुकी हैं। ऐसे में दुर्दशा का तथ्य नकारना व्यर्थ है। (आरएनएस)

क्या आप भी अंडरआर्म्स के कालेपन परेशान हैं

क्या आप भी अंडरआर्म्स के कालेपन से परेशान हैं और स्लीवलेस ड्रेस पहनने के लिए सोचना पड़ता है अगर आप भी इससे बचने के लिए कोई प्रभावी उपाय तलाश रहे हैं, तो आज हम आपको कुछ टिप्स के बारे में बताएंगे। जिनकी मदद से कुछ ही दिनों में आप अपने काले अंडरआर्म्स से छुटकारा पा सकते हैं।

नींबू और शहद का मिश्रण

नींबू का रस और शहद मिलाकर अंडरआर्म्स पर लगाने से स्किन के कालेपन में को दूर किया जा सकता है। बता दें कि नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं, जबकि शहद हमारी त्वचा को नमी प्रदान करता है। इस पेस्ट को 15-2० मिनट तक लगाकर रखें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इसे हफ्ते में 2-3 बार करें। कुछ ही दिनों में आपको रिजल्ट दिखने लगेगा। आप चाहें तो बेकिंग सोडा और नींबू का पेस्ट अंडरआर्म्स पर लगा सकते हैं। इससे हमारे डेड सेल्स की सफाई होती है और स्किन की रंगत में सुधार होता है। इस पेस्ट को 1० मिनट तक लगाकर रखें और इसके बाद इसे धो लें। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो इसे करते समय सावधानी बरतें।

एलोवेरा जेल का करें इस्तेमाल

एलोवेरा जेल के उपयोग से अंडरआर्म्स की त्वचा को ठंडक मिलती है और इसके प्राकृतिक गुण त्वचा को क्लीन बनाने में मदद करते हैं। एलोवेरा जेल को सीधे अंडरआर्म्स पर लगाएं और 15 तक रखने के बाद इसे धो डालें। एलोवेरा जेल का इस्तेमाल स्किन और हेयर के लिए भी किया जा सकता है। नारियल तेल में एक विटामिन ई की कैप्सूल डालें और इसका इस्तेमाल करें। ये हमारी स्किन को नमी पहुंचाते है और इसकी रंगत को निखारने में मदद करता है। इसके लिए

दही और हल्दी के पेस्ट

दही और हल्दी का पेस्ट स्किन की रंगत को निखारने में सहायक होता है। इसे अंडरआर्म्स पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इन उपायों के नियमित प्रयोग से आप कुछ ही दिनों में अपने अंडरआर्म्स के कालेपन में सुधार देख पाएंगे।और अगर आपको इससे फर्क नजर न आए तो किसी स्किन डॉक्टर से सलाह लें। अंडरआर्म्स की त्वचा की देखभाल करना न केवल आपके कॉन्फिडेंस को बढ़ाता है बल्कि ये आपके स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। ऐसे में यहां दिए कुछ टिप्स की मदद से कुछ ही दिनों में आप चमकदार और स्वस्थ अंडरआर्म्स पा सकते हैं। (आरएनएस)

52 लाख की ठगी में एक और साईबर ठग गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। सोशल मीडिया साईट्स में विज्ञापनों के माध्यम से ऑनलाईन ट्रेडिंग कर अधिक मुनाफे का लालच देकर लाखों की ठगी करने वाले एक और शातिर को एसटीएफ की साईबर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन, 1 आधार कार्ड व एक पैन कार्ड भी बरामद हुआ है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ, नवनीत सिंह द्वारा बताया गया कि एक प्रकरण जनपद उधमसिंह नगर निवासी पीड़ित द्वारा माह फरवरी 2024 में दर्ज कराया जिसमें उनके द्वारा माह दिसम्बर 2023 में फेसबुक में एक ऑनलाईन ट्रेडिंग बिजनेस का विज्ञापन देखा जिसके लिंक पर क्लिक करने पर उनको एक अज्ञात वाट्सअप ग्रुप से जुडना बताया गया, चैटिंग करने के उपरांत उनको एक अन्य लिंक के माध्यम से इंद्रा कस्टमर केयर-एफ 25 नाम के ग्रुप में जोड़ा गया जिसमें उनके द्वारा स्वयं को इंद्रा कम्पनी का प्रतिनिधि बताया गया था तथा ट्रेडिंग में लगायी गयी धनराशि को उनके द्वारा दिये गये लॉगिन आईडी पासवर्ड से लॉगिन करने पर मय लाभ के पीड़ित को दिखाई जाती थी। जिसके उपरान्त पीड़ित द्वारा ऑनलाईन ट्रेडिंग करने के लिये आरोपियों द्वारा व्हाटसप के माध्यम से उपलब्ध कराये गये विभिन्न बैंक खातो में लगभग 52 लाख रुपये की धनराशि धोखाधड़ी से जमा करायी गयी। मामले में साईबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों/वाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनी, मेटा कम्पनियों से डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से जानकारी मे आया कि साईबर अपराधियो द्वारा घटना में पीड़ित से अन्य व्यक्तियों के खातों (कमीशन बेस्ड खाते) का प्रयोग कर धोखाधडी की गयी। जांच में यह भी पता चला कि उक्त ठगी की वारदात मुदस्सिर मिर्जा पुत्र जुबेर मिर्जा, दीपक अग्रवाल पुत्र स्व. राधेश्याम अग्रवाल तथा गौरव गुप्ता पुत्र राजेन्द्र गुप्ता द्वारा अंजाम दिया गया है जिन्हे गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध आरोप-पत्र न्यायालय दाखिल किया गया तथा शेष आरोपियों की तलाश जारी की गयी जिसमें साईबर थाना पुलिस द्वारा प्रकाश में आये एक अन्य आरोपी रतना पुत्र दीना निवासी मॉडल ग्राम थाना सिटी नम्बर 2 मलेरकोटला पंजाब को तलाश कर उसे हिरासत लेकर स्थानीय थाना सिटी नम्बर 2 मलेरकोटला दाखिल किया गया तथा विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुये रतना के विरूद्ध दण्ड प्रकिया संहिता की धारा 41 ए की कार्यवाही अमल लायी गयी। लाभार्थी खाता धारक रतना पुत्र दीना द्वारा साईबर अपराधियों के साथ मिलकर अहमदाबाद गुजरात जाकर एमएम टूर एण्ड ट्रेवलर के नाम से एक फर्जी फर्म बनाकर रजिस्टर्ड करायी गयी तथा फर्म के नाम पर आईडीएफसी बैंक अहमदाबाद में खाता खोलकर खाते में शिकायतकर्ता से 1 लाख 35 हजार रूपये प्राप्त किये गये। रतना के विरूद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गयी।

देहरादून से पहाड़ों में कर रहा था स्मैक तस्करी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। देहरादून से पहाड़ों में स्मैक तस्करी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से लाखों रूपये की स्मैक बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना धरासू पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतु आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को धरासू उत्तरकाशी मार्ग पर पुराना थाना के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 6.11 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम हरिओम भट्ट पुत्र कुशलानन्द भट्ट निवासी बिरला गली उत्तरकाशी थाना कोतवाली उत्तरकाशी बताया। बताया कि वह बरामद स्मैक को देहरादून से खरीदकर उत्तरकाशी में मुनाफे के लिए बेचने की फिराक में था। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

जल आपूर्ति योजनाओं के सोशल ऑडिट में स्थानीय महिलाओं की भागीदारी जरूरीः रतूड़ी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। जल आपूर्ति योजनाओं के सोशल ऑडिट को प्रभावी बनाने तथा पेयजल योजनाओं में महिलाओं के फीडबैक को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सोशल ऑडिट में जल उपभोक्ताओं में विशेषकर स्थानीय महिलाओं को शामिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं। पेयजल सम्बन्धित मामलों पर आम नागरिकों की संतुष्टि को शीर्ष प्राथमिकता देने की कड़ी हिदायत देते हुए मुख्य सचिव श्रीमती रतूड़ी ने इस क्षेत्र में बेस्ट प्रेक्टिसेज को अपनाने तथा शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सचिवालय में अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में विश्व बैंक से सहायता प्राप्त उत्तराखण्ड जल आपूर्ति कार्यक्रम की 11वीं उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक में सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने पेयजल विभाग एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को जल जीवन मिशन के समयसीमा विस्तार हेतु भारत सरकार को तत्काल पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं।

आमजन को अबाध जलापूर्ति के साथ ही पेयजल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने बेस्ट प्रैक्टिसेज के तहत यूजर फेण्डली डैशबोर्ड पर स्टेट ऑफ आर्ट एमआईएस में सभी मुख्य परफोर्मेन्स इण्डिकेटर्स को दर्ज करने की हिदायत दी है। मुख्य सचिव ने सर्विस डिलीवरी में गैप आने पर सम्बन्धित इंजीनियरों को एसएमएस के माध्यम से ऑटो एलर्ट भेजकर शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने तथा 48 घण्टे के भीतर शिकायतों के निवारण के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने उपभोक्ताओं के संतुष्टिकरण के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए निरन्तर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

आज की बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड जल आपूर्ति कार्यक्रम हेतु प्रोजेक्ट मेनेजमेंट कन्सलटेन्सी फर्म की समयसीमा विस्तार तथा इस कार्यक्रम के इन्वायरमेंट ऑडिट पर प्रशासनिक एवं वित्तीय का अनुमोदन दिया। इसके साथ ही उन्होंने उत्तराखण्ड जल आपूर्ति कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन पूर्णता और परिणाम रिपोर्ट (आईसीआर) हेतु कन्सलटेन्सी सेवाओं की नियुक्ति हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी। सीएस ने उत्तराखण्ड पेयजल निगम की मोहोलिया तथा उमरूखुर्द जलापूर्ति योजनाओं के समयसीमा विस्तार पर भी अनुमोदन दिया।

बैठक में जानकारी दी गई कि 975 करोड़ रूपये लागत की विश्व बैंक से सहायता प्राप्त उत्तराखण्ड जल आपूर्ति कार्यक्रम में देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, नैनीताल एवं उधमसिंह नगर के 22 अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में 100 प्रतिशत वॉल्यूमीटरिंग के साथ 16 घण्टे अबाध प्रतिदिन जलापूर्ति की जा रही है। इसके तहत 106202 वाटर कनेक्शन के साथ बड़ी आबादी लाभान्वित हो रही है। उत्तराखण्ड जल आपूर्ति कार्यक्रम के तहत संचालित कुल 22 अर्द्ध शहरी योजनाओं में सभी योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। योजना पर विश्व बैंक द्वारा भी संतुष्टि व्यक्त की गई है। इस अवसर पर सचिव दिलीप जावलकर, शैलेश बगौली सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश्वर नगर सहस्त्रधारा रोड निवासी पंकज जोशी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले अनिल ने उसके साथ गाली गलौच देनी शुरू कर दी। उसने जब उसका विरोध किया तो उसने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। आसपास के लोगों ने वहां पहुंचकर बीच बचाव कराया तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर चला गया।

भाजपा सरकार केवल...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

अपने प्रचार के लिए काम कर रही है। धस्माना ने ऐलान किया, मैं डाकरा की जनता को इस हाल में नहीं छोड़ूंगा। जिलाधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री तक, जिसका भी दरवाजा खटखटाना पड़े, मैं पीछे नहीं हटूंगा। जरूरत पड़ी तो सड़क पर आंदोलन करूंगा। उन्होंने मौके पर फेसबुक लाइव कर पुल की दुर्दशा को जनता और सरकार के सामने रखा और इसे मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी समेत कांग्रेस के सभी नेताओं को टैग किया। डाकरा के लोग अब कांग्रेस और धस्माना से उम्मीद लगाए बैठे हैं। गुस्साए निवासियों ने कहा अगर सरकार हमारी समस्या नहीं सुलझा सकती, तो जनता इन्हें सबक सिखाएगी।

बेरोजगारों ने किया सचिवालय कूच

संवाददाता

देहरादून। एलटी भर्ती 2024 में सम्मिलित हुए परीक्षार्थियों ने सचिवालय कूच किया। जिनको पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया जिसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से शिक्षा निदेशक व शासन को सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां भारी संख्या में एलटी भर्ती परीक्षार्थी परेड ग्राउंड पर एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने सचिवालय के लिए कूच किया। वह जैसे ही राजपुर रोड पर पहुंचे पुलिस ने उनको बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया। जिसके बाद प्रदर्शनकारियों व पुलिस से तीखी नोंक झोंक हुई जिसके बाद वह वही पर धरने पर बैठ गये। जिसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से शिक्षा निदेशालय व शासन को सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि परीक्षा हुए तीन माह से अधिक समय हो जाने पर भी उक्त परीक्षा का रिजल्ट इसलिए घोषित नहीं हो पा रहा है कि विभाग न तो न्यायालय में शपथ पत्र दाखिल कर रही है वहीं दूसरी ओर विभाग की ओर से सरकारी विभागीय अधिवक्ता की कमजोरी तथा गलत पैरवी के कारण न्यायालय को गुमराह कर उक्त भर्ती प्रक्रिया को बाधित किया जा रहा है। न्यायालय द्वारा पूछे जाने पर उक्त अधिवक्ता को ना तो एलटी की चयन प्रक्रिया का पता है और ना ही विभाग द्वारा आयोग को भेजी गयी शिक्षा नियमावली का ज्ञान। जहां आयोग द्वारा न्यायालय को 2014 की नियमावली की बात न्यायालय में कर रहे आयोग लिखित परीक्षा के बाद शैक्षिक अकादमिक गुणांक को जोडकर मेरिट की की बात कर रहे हैं जिससे भर्ती प्रक्रिया में अनावश्यक विलम्ब हो रहा है। उन्होंने सरकार को सही पैरवी न करने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

एक नजर

मार्निंग वॉक पर निकले दो लोगों की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। मार्निंग वॉक पर निकले दो लोग अज्ञात वाहन की चपेट में आ गये जिनकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवो को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है वहीं टक्कर मारकर फरार हुए वाहन की खोजबीन जारी है।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत का यह मामला डोईवाला कोतवाली के अंतर्गत जौलीग्रांट के पास हाईवे पर आज सुबह घटित हुआ है। जिसमें अज्ञात वाहन के टक्कर मार दिये जाने से सुबह की सैर को निकले दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी है। बताया जा रहा है कि घटना में कोटी भानियावाला निवासी 65 वर्षीय वीर सिंह बिष्ट पुत्र शिव सिंह और 65 वर्षीय गणपति पुत्र दलपति निवासी अठुरवाला की मौत हो गई। पुलिस द्वारा दोनों शवों को डोईवाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां दोनों का पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए भेजा। डोईवाला कोतवाली प्रभारी विनोद गुसाईं ने बताया कि टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है और सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि अज्ञात वाहन चालक को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि लाख कोशिशों के बावजूद राजधानी देहरादून में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 25 दिनों में राजधानी में हुई सड़क दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान चली गयी है। जिसके बाद पुलिस प्रशासन सजग तो हुआ और उसने जगह-जगह चैकिंग अभियान शुरू भी किया लेकिन फिर भी सड़क दुघटनाए थमने का नाम नहीं ले रही है।

नोएडा पुलिस का बैरिकेड तोड़ दिल्ली की ओर बढ़े किसान!

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कई किसान संगठन आज संसद का घेराव करने के लिए दिल्ली-एनसीआर में दाखिल हो हुए। समाचार लिखे जाने तक नोएडा से आगे बढ़ रहे किसानों ने दलित प्रेरणा स्थल के पास पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी है। किसान संगठनों के कार्यकर्ता यहां से आगे बढ़ चुके हैं। डीएनडी के पास नोएडा पुलिस ने बाड़बंदी सख्त कर दी है। इधर, नोएडा एक्सप्रेस-वे की दोनों लेन बंद कर दी गई है। ग्रेटर नोएडा की तरफ जाने वाले वाहनों को सेक्टर-18 से डायवर्ट किया गया है। नोएडा से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को सेक्टर-94 से डायवर्ट किया गया है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा नोएडा-दिल्ली बॉर्डर से जुड़ी सभी सड़कों पर बैरिकेडिंग की है। इन सड़कों पर गाड़ियों की पूरी जांच के बाद आने-जाने की इजाजत दी जा रही है। ऐसे में दिल्ली-नोएडा-दिल्ली रूट पर जाम जैसी स्थिति बनी है।

आईपीएस अधिकारी की सड़क दुर्घटना में मौत, चालक घायल

हमारे संवाददाता

बेंगलुरू। ट्रेनिंग के बाद अपनी पहली पोस्टिंग लेने जा रहे आईपीएस अधिकारी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी। हालांकि उनका कार चालक मामूली रूप से घायल हुआ है। दुर्घटना तब हुई जब उनके वाहन का टायर फट गया और चालक ने गाड़ी से अपना नियंत्रण खो दिया।

जानकारी के अनुसार 26 वर्षीय आईपीएस अधिकारी हर्षबर्धन ने हाल ही में अपनी ट्रेनिंग पूरी की थी। हर्षबर्धन मध्य प्रदेश के निवासी थे और कर्नाटक कैडर में 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि टायर फटने के कारण उनका वाहन सड़क किनारे एक घर और एक पेड़ से टकरा गया। हर्षबध न के सिर में गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई, जबकि चालक को मामूली चोटें आई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि जब वर्षों की कड़ी मेहनत रंग ला रही थी, तब ऐसा नहीं होना चाहिए था। पुलिस के अनुसार हर्षबर्धन होलेनरसीपुर में परिवीक्षाधीन सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में ड्यूटी पर रिपोर्ट करने के लिए हासन जा रहे थे। उन्होंने हाल ही में मैसूरु में कर्नाटक पुलिस अकादमी में अपना चार सप्ताह का प्रशिक्षण पूरा किया था।

सीएम धामी ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज डाट काली मंदिर देहरादून में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने एक्सप्रेस वे के निर्माण में इस्तेमाल हो रही आधुनिक तकनीकों और पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के बारे में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देहरादून में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का कार्य अन्तिम चरण में हैं। इस एक्सप्रेस वे का तेजी से निर्माण होने पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस एक्सप्रेस वे के पूर्ण होने पर देहरादून से दिल्ली का सफर मात्र दो से ढ़ाई घण्टे में पूर्ण हो जायेगा। इससे जहां लोगों का आवागमन सरल होगा। चारधाम यात्रा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को और सुगमता होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की आर्थिकी को बढ़ाने, पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी यह प्रोजेक्ट सहायक सिद्ध होगा। इस प्रोजेक्ट में इकोलॉजी और इकोनॉमी का समन्वय करते हुए एशिया का सबसे बड़ा वाइल्डलाइफ कॉरिडोर भी बनाया गया है, जो वन्यजीवों की सुरक्षा एवं उनकी आवाजाही को मुक्त और पूर्ण तरीके से सुरक्षित बनाएगा।

गैस पाइप लाईन बिछाते हुए बिजली की भूमिगत लाईन को किया क्षतिग्रस्त

संवाददाता

देहरादून। गैस पाइप लाईन बिछाते समय बिजली की भूमिगत लाईन को क्षतिग्रस्त करने पर कम्पनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उपसंस्थान ऊर्जा भवन के अवर अभियंता मौहम्मद आसिफ ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि में कान्ट्रेक्टर वरदान एसोसिएट द्वारा भूमिगत गैस पाईप लाईन का कार्य किया जा रहा है इनके द्वारा केवी ऊर्जा भवनके वैभव फीडर की भूमिगत केबिल को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इनको कार्य शुरू करने से पहले ही बता दिया गया था कि यहां कार्य ना करें यहां पर बिजली की भूमिगत लाईन है किन्तु फिर भी इन्होंने उक्त बात को अनदेखी कर लापरवाही के साथ कार्य करते हुए रात्रि में विद्युत विभाग की 11 केवी लाईन को मशीन से कार्य करते समय क्षतिग्रस्त कर दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। कैण्ट कोतवाली पुलिस ने आकाश गंगा तिराहे के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख स्कूटी तेजी से भगाकर ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी से 92 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम शैलेश जोशी उर्फ शैलू पुत्र संजय जोशी निवासी इन्द्रा कालोनी चुक्खुवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर स्कूटी को सीज कर दिया।

डीएम ने निरीक्षण कर जानी हाईवे निर्माण कार्यो की प्रगति

संवाददाता

देहरादून। जिला अधिकारी सविन बसंल ने पोंटा-बल्लूपुर हाईवे का निरीक्षण करते हुए कार्य की प्रगति को देखा।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल ने पोंटा -बल्लूपुर हाईवे निरीक्षण करते हुए कार्य प्रगति को देखा। इस दौरान उन्होंने मसूरी बाईपास निर्माण की भी जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। एनएचएआई प्रोजेक्ट आशारोड़ी से झाझरा तक के लिए भूमि अधिग्रहित कर एनएचएआई को दी गई है, क्षेत्रीय निवासियों द्वारा अंडरपास की मांग किए जाने पर एनएचएआई के अधिकारियों को क्षेत्रीय ग्रामीणों से बैठक कर ग्रामीणों की अंडरपास की व्यवहारिक मांग पर निर्धारित मानको के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सुधोवाला से मसूरी बाईपास निर्माण कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए मानचित्र का अवलोकन किया।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रिस्पना नगर निवासी राम प्रसाद ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से दून चिकित्सालय आया था। उसने अपनी स्कूटी अस्पताल के गेट पर खडी कर दी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं जीएमएस रोड निरंजपुर निवासी वैभव वर्मा ने पटेलनगर कोतवाली में अपने घर के बाहर से स्कूटी चोरी का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।